अमर उजाला

प्रो. ओंकार को यूपीटीयू वीसी का भी प्रभार

राजभवन के निर्देश के बाद मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति ने संभाला अतिरिक्त कार्यभार

लखनऊ (ब्यूरो)। प्रदेश के राज्यपाल व कुलाधिपति राम नाईक के निर्देश के बाद प्रो. ओंकार सिंह ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय (यूपीटीयू) के कुलपति का पदभार संभाला। प्रो. आरके खांडल ने प्रो. ओंकार को कार्यभार सौंपकर संस्थान से विदाई ली। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. ओंकार को 6 माह या नए कुलपति की नियुक्ति तक (जो पहले हो) के लिए यूपीटीयू के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राज्यपाल ने नियमित कुलपति की नियुक्ति के लिए सर्च समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। प्रो. खांडल को 17 सितंबर, 2012 को गौतमबुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। प्रो. खांडल ने गत 19 जनवरी को अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा था, जिसे अस्वीकार करते हुए पद पर बने रहने को कहा गया था। हाल ही में उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए इसे 30 अप्रैल से प्रभावी माना गया।

> कार्यकाल पूरा होने से पहले ही संस्थान से विदा हुए प्रो. आरके खांडल

खांडल बोले- यूपीटीयू से हमेशा रहेगा नाता

विवि के गेस्ट हाउस में प्रो. खांडल के लिए विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इसमें उन्होंने कहा कि हमेशा छात्र हित को ध्यान में रखकर कार्य किया। हालांकि कुछ काम रह गए। प्रो. खांडल ने कहा कि भले ही अब वह यहां के कुलपति नहीं, लेकिन संस्थान से उनका नाता बना रहेगा। यूपीटीयू और आईईटी के स्टॉफ ने प्रो. खांडल के कार्यकाल की विभिन्न तस्वीरों को बना हुआ कोलाज फ्रेम भेंट किया। वहीं नए कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने सभी को विश्वास दिलाया कि शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने का प्रयास जारी रहेगा। समारोह में यूपीटीयू के कुलसचिव कमलेश कुमार चौधरी, वित्त अधिकारी एसपी वर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा, आईईटी के निदेशक प्रो. एएस विद्यार्थी, यूपीएसईई के समन्वयक डॉ. जेपी सैनी उपस्थित रहे। विदाई समारोह के बाद सभी ने कुलपति कार्यालय में प्रो. ओंकार सिंह को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

रिजल्ट से पहले ऑनलाइन देख सकेंगे कॉपी

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय (यूपीटीयू) के स्टूडेंट्स अब परीक्षा परिणाम आने से पहले अपनी जांची जा चुकी उत्तर पुस्तिकाएं ऑनलाइन देख सकेंगे। इसमें कोई कमी पाए जाने पर वे शिकायत कर सकेंगे। शिकायत सही होने पर अंतिम रिजल्ट तैयार होने से पहले इसमें सुधार कर लिया जाएगा। गुरुवार को यूपीटीयू के कार्यवाहक कुलपति का पदभार संभालने वाले प्रो. ओंकार सिंह ने 'अमर उजाला' से विशेष बातचीत में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने कई भावी योजनाओं की भी जानकारी दी। प्रो. ओंकार ने बताया कि मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर में लगभग डेढ़ साल पहले जब कुलपति का पदभार संभाला था तो अक्सर छात्र-छात्राएं उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पर सवाल उठाते। इसके बाद उन्होंने वहां यह सिस्टम लागू किया था, जिसके अच्छे परिणाम मिले। चूंकि यूपीटीयू से संबद्ध कॉलेज प्रदेश भर में हैं, इसलिए सभी उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करवाकर ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि परीक्षा प्रणाली पारदर्शी हो गई तो विश्वविद्यालय और छात्रों की 80 फीसदी समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

यूपीटीयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने 'अमर उजाला' से खास बातचीत में बताई भावी योजनाएं

चैलेंज इवेल्यूएशन के ₹5000 नहीं देने होंगे

वर्तमान व्यवस्था के अनुसार कॉपी ठीक से नहीं जांचे जाने के संदेह को लेकर यदि कोई छात्र चैलेंज इवेल्यूएशन के लिए आवेदन करता है, तो उसे 5000 रुपये जमा करने पड़ते हैं। इसके बाद कॉपी बाहर के शिक्षकों से जंचवाई जाती है। यदि इसमें छात्र के नंबर बढ़ जाते हैं तो जमा किए गए 5000 रुपये लौटा दिए जाते हैं अन्यथा नहीं। यदि पहले ही ऑनलाइन कॉपी देखने की व्यवस्था होगी तो छात्रों को 5000 रुपये नहीं देने होंगे।

संस्थानों में जांची जाएगी शिक्षकों की योग्यता

प्रो. ओंकार ने कहा कि पिछले कुछ सालों में यूपीटीयू से संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। यदि यूपीटीयू से संबद्ध कॉलेजों में गुणवत्तापरक शिक्षा मिलेगी और परीक्षा प्रणाली पारदर्शी होगी तो छात्रों का विश्वास लौटेगा और वे यहां दाखिला लेना पसंद करेंगे। इस सत्र में कॉलेजों में ये भी देखा जाएगा कि शिक्षकों की नियुक्ति में मानकों की अनदेखी न हो। उन्होंने माना कि कुछ प्राइवेट कॉलेजकम अर्हता वाले शिक्षक रख लेते हैं। इस पर सख्त कार्रवाई जारी

प्रैक्टिकल स्थगित, परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

कुलपति का पदभार संभालने के बाद प्रो. ओंकार ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मिलकर वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा से उनको पता चला कि यूपीटीयू की प्रैक्टिकल परीक्षाएं चार मई से और थ्योरी परीक्षाएं 12 मई से शुरू होने जा रही हैं। एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार थ्योरी के बाद प्रैक्टिकल कराए जाने की व्यवस्था है। इस पर उन्होंने परीक्षा नियंत्रक को निर्देश दिए कि किसी भी हाल में एकेडमिक कैलेंडर की अनदेखी न की जाए। इसके बाद तत्काल प्रैक्टिकल परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया। अब 3 जून तक थ्योरी पेपर्स खत्म होने के बाद प्रैक्टिकल परीक्षाएं होंगी। इसके अलावा 12 मई से होने वाली सम सेमेस्टर और कैरी ओवर परीक्षा के फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाकर चार मई तथा हार्ड कॉपी और फीस जमा करने की तिथि 5 मई कर दी गई है।

दो दिन में दें छात्रों की परीक्षा संबंधी समस्याओं का ब्यौरा

कुलपति के निर्देशानुसार यूपीटीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने सभी संबद्ध कॉलेजों से दो दिन के अंदर छात्रों की परीक्षा संबंधी समस्याओं का ब्यौरा मांगा है। विभिन्न कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में से यदि किसी के परीक्षाफल, अंकतालिका में नाम संशोधन, रुकी हुई डिग्री, डिग्री में नाम संशोधन जैसी समस्या है तो वे संबंधित रिकॉर्ड संलग्न करते हुए दो मई तक यूपीटीयू को भेज सकते हैं। ये शिकायतें संस्थान के निदेशक या कुलसचिव के माध्यम से dycoe-uptu@gmail.com ईमेल पर भेजी जा सकती हैं।